मंत्रिमंडल ने इरेडा में 1500 करोड़ रुपये के निवेश को मंजूरी दी

सीएमडी की सभी कर्मचारियों के साथ प्रेरक बातचीत

20 जनवरी, 2022, नई दिल्ली ।

भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास संस्था लिमिटेड (इरेडा) के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी), श्री प्रदीप कुमार दास ने आज कंपनी के कर्मचारियों के साथ बातचीत करते हुए इस बात पर जोर दिया कि कंपनी केवल लाभ अर्जित करने का प्रयास ही नहीं करती है, बल्कि मूल संगठन के रूप में आरई क्षेत्र के बड़े हित में काम करने का प्रयास करती है । उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि 1500 करोड़ रुपये के इक्विटी निवेश के साथ, भारत सरकार ने देश में हरित ऊर्जा के सबसे बड़े ऋणदाता के रूप में अपनी शक्ति को और बढ़ाने के लिए इरेडा को एक बड़ी जिम्मेदारी और एक बड़ी भूमिका दी है।

इरेडा के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने अपने संबोधन में कहा कि, "हम माननीय प्रधान मंत्री, माननीय वित्त मंत्री, माननीय केंद्रीय विद्युत एवं नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री, माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा, और रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के सचिव और कंपनी के निदेशक मंडल के बहुत आभारी हैं जिनके समर्थन और मार्गदर्शन के बिना यह संभव नहीं होता"।

श्री दास ने अपने प्रेरक संबोधन में सभी कर्मचारियों को पारदर्शी तरीके से व्यवसाय करने में आसानी को ध्यान में रखते हुए निरंतर प्रणालियों, नीतियों और गुणवत्ता सुधार पर ध्यान केंद्रित करने वाले संगठन के मुख्य उद्देश्य के विषय में सलाह दी । इरेडा न केवल स्वच्छ ऊर्जा के लिए बल्कि स्वच्छ कॉर्पोरेट प्रशासन सुनिश्चित करने के लिए भी काम करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने आगे यह भी बताया कि पिछले दो वर्षों के दौरान, इरेडा ने आरई क्षेत्र के बड़े हित में विभिन्न प्रकार की पहल की हैं जैसे कि उधार देने के दरों में कमी, निगरानी और वसूली के लिए पाक्षिक समीक्षा बैठकें, मंजूरी/संवितरण और प्रलेखन प्रक्रिया का सरलीकरण, ग्राहकों एवं व्यापार भागीदारों के साथ त्रैमासिक बातचीत और कई नई वित्तपोषण योजनाओं और उत्पादों की शुरूआत है।

सीएमडी ने यह भी रेखांकित किया कि इरेडा के लिए जनशक्ति सबसे मूल्यवान संपत्ति है। इसलिए, इरेडा कार्य-जीवन संतुलन को सुविधाजनक बनाने वाली अनुकूल कार्य नीतियां पेश करके अपने मानव संसाधन की क्षमता को अनुकूलित करने के लिए प्रतिबद्ध है, जिससे कार्यबल के उच्च स्तर की उत्पादकता सुनिश्चित करके कंपनी के रणनीतिक लक्ष्यों की उपलब्धि पर ध्यान केंद्रित कर सके। कंपनी आंतरिक और बाहरी विशेषज्ञों के सहयोग से साप्ताहिक और पाक्षिक आधार पर व्याख्यान श्रृंखला और केंद्रित विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम लगातार आयोजित कर रही है।

श्री दास ने इस बात की फिर से पुष्टि की कि इक्विटी निवेश के बाद, इरेडा आईपीओ लाने के लिए पूरी तरह से तैयार है। अपने संबोधन के अंत में, उन्होंने सभी इरेडा कर्मियों को एक सुसंगत दृष्टिकोण और "वन्स इरेडा, ऑलवेज इरेडा" के विजन के साथ काम करने के लिए प्रेरित किया ।